Pronunciation Pedagogy
उच्चारण शिक्षण

उच्चारण शिक्षण की पाठ-योजना भी विशेष अवसर पर बनाई जा सकती है। इसमें बहुत औपचारिकता की आवश्यकता नहीं है। फिर भी कुछ संकेत उपयोगी होंगे जैसे :-

1. उद्देश्य - शुद्ध उच्चारण सम्बन्धी उद्देश्य लिखे जायेंगे।

2. पाठ सामग्री - पाठ से सम्बन्धित सभी अभ्यास।

3. सहायक सामग्री - उद्देश्य ध्वनियों की सहायता से बने शब्दों-युग्मों, पदबन्धों और वाक्यों के चार्ट, टेपरिकॉर्डर आदि का प्रयोग किया जाता है। प्रस्तावना प्रस्तुतीकरण, मूल्यांकन आदि के चार्टों में विविधता होनी चाहिए।

4. पूर्वज्ञान - छात्र देवनागरी लिपि चिन्हों से भली-भाँति परिचित हैं

5. प्रस्तावना - ध्वनियों से युक्त कुछ शब्द श्यामपट्ट पर लिखे जायेंगे।

6. उद्देश्य कथन - छात्रों द्वारा उच्चारण में की गई अशुद्धियों का ध्यान केन्द्रित करते हुए शिक्षण बिन्दुओं का उल्लेख किया जायेगा।

Scanned by TapScanner

7. प्रस्तुतीकरण —

प्रस्तुत पाठ से सम्बन्धित अभ्यास सामग्री अध्यापक प्रसंगानुसार छात्रों के समक्ष क्रमशः प्रस्तुत करेगा और उच्चारण अभ्यास सामूहिक रूप से करवाया जायेगा।

8. मूल्यांकन —

पाठ की समग्रता की दृष्टि में रखते हुए ध्वनि विशेष के प्रयोग का विभिन्न स्थितियों के आधार पर उच्चारण कराया जायेगा।

9. गृह कार्य —

उच्चारण पर अधिकार प्राप्त कराने की दृष्टि से अभ्यास - कार्य देना आवश्यक है।

Scanned by TapScanner